

(i) Printed Pages : 4

Roll No.

(ii) Questions : 5

Sub. Code :

1	0	4	4	1
---	---	---	---	---

Exam. Code :

5	0	0	2
---	---	---	---

Bachelor of Arts (FYUP) 2nd Semester

(2056)

SANSKRIT

Paper : Sanskrit Katha, Niti & Grammar-2

Time Allowed : 3 Hours]

[Maximum Marks : 90

नोट :- (1) सभी प्रश्न हल करने अनिवार्य हैं।

(2) साफ एवं शुद्ध लिखें।

(3) प्रश्न के सभी भाग एक ही स्थान पर हल करें।

1. (क) निम्नलिखित में से किसी एक गद्यांश का सप्रसंग अनुवाद करें :

(i) कस्मिंश्चिदधिष्ठाने उदघतो नाम गर्दभः प्रतिवसति स्म। सः सदैव रजकगहे भारोद्धहनं कृत्वा, रात्रौ स्वेच्छया पर्यटति। ततः प्रत्यूषे बन्धनभयात् स्वयमेव रजकगृहमायाति। रजकोऽपि ततस्तं बन्धनेन वियुनक्ति।

(ii) अथ "तथा" इति व्यन्तरेण प्रतिज्ञाते, स कौलिकः प्रहृष्टः स्वगृहं प्रति निवृत्तो यावदग्रे गच्छति, तावद् ग्रामप्रवेशे निजसुहृदं नापितमपश्यत्। ततः तस्य व्यन्तरवाक्यं निवेदयामास - यत् - अहो मित्र! मम कश्चिद् व्यन्तरः सिद्धः। तत्कथय किं प्रार्थये। अहं त्वां प्रष्टुमागतः।

5

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं दो श्लोकों का सप्रसंग अनुवाद करें :

(i) उत्सवे व्यसने प्राप्ते दुर्भिक्षे शत्रुसङ्कटे ।

राजद्वारे श्मशाने च यस्तिष्ठति स बान्धवः ॥

(ii) सर्पाणां च खलानां च सर्वेषां दुष्टचेतसाम् ।

अभिप्राया न सिध्यन्ति तेनेदं वर्तते जगत् ॥

(iii) सारमेयस्य चाऽश्वस्य रासभस्य विशेषतः ।

मुहूर्तात्परतो न स्यात्प्रहारजनिता व्यथा ॥

(iv) सर्वनाशे समुत्पन्ने अर्धं त्यजति पण्डितः ।

अर्धेन कुरुते कार्यं सर्वनाशो हि दुःसहः ॥ 2×5=10

(ग) निम्नलिखित में से किसी एक कथा का सार लिखें :

(i) ' रासभ-शृगाल कथा

(ii) मत्स्य-मण्डूक कथा ।

5

2. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं दो श्लोकों का सप्रसंग अनुवाद करें :

(i) प्राणाघातान्निवृत्तिः परधनहरणे संयमः सत्यवाक्यं

काले शक्त्या प्रदानं युवतिजनकथामूकभावः परेषाम् ।

तृष्णास्रोतोविभङ्गो गुरुषु च विनयः सर्वभूतानुकम्पा

सामान्यः सर्वशास्त्रेष्वनुपहतविधिः श्रेयषामेष पन्थाः ॥

(ii) असन्तो नाभ्यर्थ्याः सुहृदपि न याच्यः कृशधनः

प्रिया न्याय्या वृत्तिमलिनमसुभङ्गोऽप्यसुकरम् ।

विपद्युच्चैः स्थेयं पदमनुविधेयं च महतां

सतां केनोद्दिष्टं विषममसिधाराव्रतमिदम् ।

(iii) परिवर्तिनि संसारे मृतः को वा न जायते।

स जातो येन जातेन याति वंशः समुन्नतिम्॥

(iv) कुसुमस्तबकस्येव द्वयी वृत्तिर्मनस्विनः।

मूर्च्छिन वा सर्वलोकस्य शीर्यते वन एव वा॥

$2 \times 7\frac{1}{2} = 15$

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक सूक्ति की सप्रसंग व्याख्या करें :

(i) अहह! महतां निःसीमानश्चरित्रविभूतयः।

(ii) न खलु वयस्तेजसो हेतुः।

(iii) सर्वे गुणाः काञ्चनमाश्रयन्ति।

5

3. (क) किन्हीं पांच अव्ययों का संस्कृत वाक्य में प्रयोग करें :

हयः, वामतः, पुरतः, कथम्, अद्यः, दक्षिणतः, परश्वः, पुरतः,
पृष्ठतः उच्चैः।

$5 \times 1 = 5$

(ख) किन्हीं पांच अंकों को संस्कृत में लिखें :

55, 62, 67, 71, 75, 79, 88, 95, 91, 88

$5 \times 1 = 5$

(ग) निम्न में से किन्हीं दो के विषय में लिखें :

दस दिशाएं, राशियों के नाम, देशी महीनों के नाम, ग्रहों के नाम।

$2 \times 2\frac{1}{2} = 5$

4. (क) किन्हीं दो शब्दरूपों को सभी विभक्तियों में लिखें :

पितृ, अस्मद्, भवत्, गुरु।

$2 \times 5 = 10$

(ख) किन्हीं दो धातु रूपों को यथानिर्दिष्ट लकारों में लिखें :

लिख् (लट् लकार), त्यज् (लोट् लकार), स्मृ (लृट् लकार),
भू (लङ् लकार)

$2 \times 5 = 10$

5. (क) निम्न में से किन्हीं 10 शब्दों को संस्कृत में लिखें :

हंस, बाज, सारस, नीम, कमल, चंपा, पराग, घोड़ा, गीदड़, उल्लू,
कोयल, पपीहा, नेवला, बैल, शेर।

10×1=10

(ख) निम्न में से किन्हीं पांच वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद करें :

1. हम सब लिखते हैं।

2. वे सब देखते हैं।

3. वह ईश्वर का स्मरण करता है।

4. मैं उस तक पढ़ता हूँ।

5. मैं अपने घर जाता हूँ।

6. गुरु को नमस्कार।

7. तू भोजन त्यागता है।

8. वह पुस्तक ले जाता है।

9. यहाँ कौन रहता है।

10. वहाँ कौन पढ़ रहा है।

5×1=5